मनरेगा से संवर गई गांव में शिक्षा और जीवन की राह

परिसम्पति का नामः
Construction of Culvert from Kaushalya Nadi to Tubewell and Kacha Rasta Nirman

स्थानः ग्राम पंचायत भुवाना, **खण्ड** पिंजौर, **जिला** पंचकूला
लागतः 7,38,757
मानव दिवसः 1558
वित्तीय वर्षः 2020–2021
कार्य कोड : 1217003063/WC/12504942

कार्य का परिचयः

शिक्षा और मेहनत मानव जीवन के वो महत्वपूर्ण आधार है जिसकी सहायता से मनुष्य उन्नति के पथ पर अग्रसर होता है। कुछ इसी तरह की कहानी है जिला पंचकूला के गांव भुवाना की जहां पर मनरेगा ने गांव के बच्चों को शिक्षा से एक पूल की मदद से जोड़ा।

ग्राम पंचायत भुवाना के नज़दीक दो गांव पड़ते हैः– जैथल और नौल्टा।

भुवाना, जैथल और नौल्टा– इन गांवों के बच्चों के लिए शिक्षा प्राप्त करने का एकमात्र माध्यम है– गांव भुवाना मे प्राथमिक सरकारी स्कूल जो 8वीं कक्षा तक बच्चों को विद्या ज्ञान प्रदान करती है। चूंकि गांव भुवाना और जैथल के बीच कौशल्या नदी पड़ती है और इस नदी पर कोई पुल ना होने के कारण इन तीनों गांवों के बीच कोई सम्पर्क साधन नहीं था जिसकी वजह से बच्चों को भुवाना स्थित सरकारी स्कूल जाने के लिए नदी के बीच से जाना पड़ता था। स्थिति तब गम्भीर हो जाया करती जब यह नदी बरसात के दिनों के सक्रिय हो जाती और पानी का बहाव ज्यादा होने से बच्चों के पानी में डूबने का खतरा बना रहता था। आलम ये था कि या तो बच्चों के घरवाले उन्हे अपने कन्धें पर बिठाकर नदी पार कर स्कूल छोडने जाया करते थे या बच्चें स्कूल से छुट्टी करने पर मज़बूर होते। बच्चों के साथ साथ ग्रामवासियों को अपने दूसरे गांवों तक आने जाने व सामान लाने–ले जाने के लिए भी सारा सामान सिर पर लेकर नदी से होकर जाना पडता था।

दशकों से परेशान इस समस्या को दूर करने के लिए गांव के लोगों ने मांग उठाई और उस मांग को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारण्टी योजना न मूल रूप दिया

इस दारान सबसे बड़ी चुनौती यह आई कि कार्यस्थल तक निर्माण सामग्री पहुंचाने के लिए कोई रास्ता नही था क्योंकि गांव की भौगोलिक स्थिति समतल ना होकर पहाड़ी हैं। परन्तु इसका समाधान भी मनरेगा से किया गया। सबसे पहले कालका से मल्ला तक 12 किमी कच्चे रास्ता का निर्माण करवाया गया और उस रास्ते की मदद से सभी निर्माण सामग्री कार्यस्थल पर उपलब्ध करवाई गई। गांव के मनरेगा मज़दूरों की मेहनत से व अन्य अधिकारियों की देख–रेख में पुलिया का निर्माण करवाया और नतीजा तीनों गांव के ग्रामवासियों के लिए सुविधा ही सुविधा। अब कच्चा रास्ता व नदी पर पुलिया बनने से बच्चो को स्कूल आने जाने में सहुलियत तो हुई ही साथ ही ग्रामवसियों की समस्या का भी निदान हो गया।

खण्ड पिंजौर के एबीपीओ श्री राजमोहन का कहना है कि मनरेगा के अर्न्तगत यह काम होने से गांव को बहुत सुविधा हुई है। पहले पुल और रास्ता ना होने से बारिश के दिनों में नदी के बीच से होकर जाना पड़ता ही था, समान ले जान व लाने में भी काफी समय लगता था लेकिन अब बच्चे भी बिना किसी डर के स्कूल जाते है और गांव के लोग काम के सिलेसिले में एक गाव से दूसरे गांव आसानी से पहुंच जाते है।

गांव के सरपंच श्री प्रेम भी इस बात को लेकर बहुत गौरान्वित महसूस करते है कि जिस गांव मे उनका जन्म हुआ, जहां से उन्होनें शिक्षा प्राप्त की, जिन समस्याओं से उन्हें जूझना पड़ता था और आज तक गांव के बच्चे व ग्रामवासी भी जुझ रहें थे उसका समाधान मनरेगा ने कर दिया। गांव के सभी ग्रामवासी इस कार्य से खुश है। उनका कहना है कि गांवों मे रहने वाले लगभग 1200 लोगों को आपस में एक पुल ने जोड़ दिया है। तीनों गांवों के बच्चें असानी से स्कूल पहुंच जाते है। इससे बड़ी बात क्या हो सकती है कि दशकों से जो समस्या चली आ रही थी वो अब खत्म हो चुकी है। बरसाती नदी पर पुल और पैदल रास्ते के निर्माण से तीनों गांवों के बच्चों को बिना किसी परेशानी के गांव में ही शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

Images :

ग्राम पंचायत भवाना
खण्ड पिंजौर
2020
MAHATMA GANDHI
NATIONAL RURAL EMLOYMENT
GUARATEE ACT
NAME OF THE WORK :- CONST OF CALVERT FROM KAUSHLYA NADI TO TUBEVELL & KACHA RASTA NIRMAN
WORK ID :- 1217003083/WC/12504942
PROJECT....ESTIMATE :- 7.8668
START DATE OF WORK :- 6-10-2017
END DATE OF WORK :- 25-6-2020
EXP LABOUR & MATERIAL COMPONENT-440876
NUMBER OF PERSON DAYS :- 1550
UNIT OF MEAASUREMUT :- CUMS
DAILY WAGE RATE :- 284
NAME OF THE EXEUITINE AGENCY :- GRAM PANCHAYAT BHAWANA
BLOCK-PINJORE DISTT-PKL
NAME OF SARPANCH :- PREM CHAND

Field visit by worthy PSRD and Director, Rural Development at worksite construction of culvert in GP Bhuwana